आत्म–परिचय

1. नाम : डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल
2. पिता का नाम : श्री दयाचन्द अग्रवाल
3. जन्म–तिथि : 17 मार्च 1966
4. पूरा पता दूरभाष सहित : 47/173, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर – 302020 (राज.)
   दूरभाष – 9828102448
5. कार्यालय : राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,
   जयपुर (राजस्थान)

6. शैक्षणिक योग्यता

क्र.सं.	परीक्षा	बोर्ड/विश्वविद्यालय	श्रेणी	वर्ष
1.	प्रवेशिका (सैकण्डरी)	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान	द्वितीय	1981
2.	उपाध्याय (हायर सैकण्डरी)	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान	द्वितीय	1982
3.	शास्त्री (बी.ए.)	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	प्रथम	1985
4.	आचार्य (एम.ए.)	राष्ट्रिय–संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	प्रथम	1987
5.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	राष्ट्रिय–संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	प्रथम	1988
6.	विद्यावारिधि (पीएच.डी.)	राष्ट्रिय–संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	–	1992

7. शिक्षक के रूप कार्यानुभव

क्र.सं.	संस्था का नाम	पद	कार्यावधि (वर्ष सहित)
1.	रा.व.उपा.सं. विद्यालय, बगरू	वरिष्ठ–अध्यापक	23.2.1991 से 22.9.1993 (01 वर्ष 7 माह)
2.	रा.शा.सं. महाविद्यालय, महापुरा	व्याख्याता (साहित्य)	23.9.1993 से 23.7.2002 (09 वर्ष)
3.	ज.रा.रा.सं. विश्वविद्यालय, जयपुर	सहा. प्रोफेसर–साहित्य	24.7.2002 से 07.3.2006 (प्रति. नियुक्त) (03½वर्ष)
4.	रा.शा.सं. महा., तितरिया (जयपुर)	व्याख्याता–साहित्य एवं प्राचार्य	08.03.2006 से 03.08.2007 (01 वर्ष 5 माह)
5.	रा.शा.सं. महाविद्यालय, महापुरा	व्याख्याता–साहित्य	04.08.2007 से 30.05.2013
6.	रा. महिला शा.सं. महा. चक (सीकर)	व्याख्याता–साहित्य एवं प्राचार्य	31.05.2013 से 30.01.2014
7.	रा.शा.सं. महाविद्यालय, महापुरा	व्याख्याता–साहित्य एवं प्राचार्य	30.01.2014 से 22.10.2016 (09 वर्ष)
8.	रा. म. आ. सं. महाविद्यालय, जयपुर	व.व्याख्याता एवं विभागाध्यक्ष–साहित्य	22.10.2016 से निरन्तर

8. अध्यापन अनुभव –

शास्त्री कक्षा – 27 वर्ष से निरन्तर

आचार्य कक्षा – 04 वर्ष से निरन्तर

9. प्रकाशित शोधपत्रों एवं लेखों का विवरण

क्र. सं.	शोधपत्र विषय	पत्रिका का नाम व प्रकाशक	ISBN/ISSN/RNI	माह एवं वर्ष
1.	नाट्यक्षेत्रे श्रीलक्ष्मणमाणिक्यदेवस्य वैदुष्यम्	अक्षरा ज,.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर	-	02 / 2004
2.	काव्य प्रयोजन समीक्षा	वयम् ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर	-	04 / 2008
3.	राजस्थान में संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु कार्यरत प्रमुख संस्थाएं	संस्कृत संजीवनी संस्कृत भाषा परिषद्, जयपुर	-	03 / 2009
4.	राजस्थान की पुरस्कृत संस्कृत मनीषा	संस्कृत संजीवनी संस्कृत भाषा परिषद्, जयपुर	-	03 / 2011
5.	बीसवीं सदी के प्रमुख संस्कृत महाकाव्य	संस्कृत संजीवनी संस्कृत भाषा परिषद्, जयपुर	-	03 / 2011
6.	वैदिक दृष्टि में पर्यावरण	वेद–पर्यावरण नवनीतम् राज.महा.आ.सं. कॉलेज, जयपुर	-	09 / 2011
7.	कुमारसम्भव की तपोनिष्ठा पार्वती	संस्कृत वाङ्मय में नारी चित्रण	ISBN:978.8.98741.489	03 / 2012
8.	माघस्य सूक्ति–माधुर्यम्	महाकवि माघ–महिमा जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर	ISBN:978.93.83452.95.8	09 / 2015
9.	दृढ़ आत्मविश्वास की एक	पुस्तक–समीक्षा 'महारानी से राजरानी – वसुन्धरा राजे'		07 / 2013
10.	महाकविकालिदासविरचिते विक्रमोर्वशीये औचित्यप्रयोगाः	वैजयन्ती (वेदांग) राज.महा.आ.सं. कॉलेज, जयपुर	ISSN:2454-2032	08 / 2017
11.	प्राचीन नाट्यप्रयोजनों का बदलता हुआ स्वरूप	भारतीय नाट्यशास्त्र एवं वर्तमान दृश्यकाव्य रा.सं.सा. केन्द्र जयपुर	ISBN:978.81.88741.95.3	10 / 2018
12.	उच्चशिक्षणसंसथानों के गुणात्मक उन्नयन में केन्द्रीय एवं राज्यस्तरीय शैक्षिकसंसथानों की भूमिका	Redifining Padagogy : A Step Towards Quality आयुष बुक्स, जयपुर	ISBN: 978-93-85398-33-9	11 / 2019

10. प्रकाशित पुस्तक लेखन / सम्पादन / व्याख्या कार्य

क्र. सं.	प्रकाशित पुस्तक / लेख	प्रकाशन वर्ष	प्रकाशक	विशेष विवरण
1.	किरातार्जुनीयम् (प्रथम–द्वितीयसर्गौ)	2001 से निरन्तर	श्याम प्रकाशन, जयपुर	संस्कृत–हिन्दी व्याख्या
2.	हितोपदेश–मित्रलाभः	2004 से निरन्तर	आदर्श प्रकाशन, जयपुर	संस्कृत–हिन्दी व्याख्या
3.	संस्कृत–गद्य–कुसुमाजलिः	2001–2004 सम्पादन / संकलन	रवि ऑफसेट एण्ड पब्लिशर्स, आगरा	मा.शि. बोर्ड, राज. के कक्षा–11 के पाठ्यक्रम में निर्धारित
4.	संस्कृत–गद्य–पीयूषम्	2002 सम्पादन / संकलन	अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर	मा.शि. बोर्ड, राज. के प्रवेशिका के पाठ्यक्रम में निर्धारित
5.	अमरकोषः द्वितीय–काण्डम्	1997, सम्पादन	अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर	मा.शि. बोर्ड, राज. के कक्षा–11 के पाठ्यक्रम में निर्धारित
6.	दशकुमारचरितम्–प्रथमोच्छ्वासः	2007 से निरन्तर	हंसा प्रकाशन, जयपुर	संस्कृत–हिन्दी व्याख्या
7.	संस्कृत वाङ्मय में नारी चित्रण	2012	रा.सं. सा. केन्द्र, जयपुर	सम्पादित ISBN:978.8.98741.489
8.	संस्कृत व्याकरण एवं रचना कक्षा–10 हेतु	2014 से निरन्तर	अनुपम प्रकाशन इण्डिया	सहायक पुस्तक ISBN:978.81.89516.36.9
9.	संस्कृत व्याकरण एवं रचना कक्षा–9 हेतु	2014 से निरन्तर	अनुपम प्रकाशन इण्डिया	सहायक पुस्तक ISBN:978.81.89516.35.2
10.	मेरी संस्कृत व्याकरण कक्षा–8 हेतु	2014 से निरन्तर	अनुपम प्रकाशन इण्डिया	अभ्यास पुस्तिका ISBN:978.81.89516.80.2
11.	मेरी संस्कृत व्याकरण कक्षा–7 हेतु	2014 से निरन्तर	अनुपम प्रकाशन इण्डिया	अभ्यास पुस्तिका ISBN:978.81.89516.79.6
12.	मेरी संस्कृत व्याकरण कक्षा–6 हेतु	2014 से निरन्तर	अनुपम प्रकाशन इण्डिया	अभ्यास पुस्तिका ISBN:978.81.89516.78.9
13.	विख्यातविजयनाटकम्	शोधग्रन्थः	रा.सं. संस्थान, नई दिल्ली की आर्थिक सहायता से प्रकाशनाधीन	–
14.	बुद्धचरितम् (प्रथम सर्ग)	2017 से निरन्तर	हंसा प्रकाशन, जयपुर सम्पादित, ज.रा.रा. सं.वि.वि. पाठ्यक्रम में	–
15.	भारतीय नाट्यशास्त्र एवं वर्तमान दृश्यकाव्य	2018	रा.सं. सा. केन्द्र, जयपुर सम्पादित ISBN:978.81.88741.95.3	–

पत्र–पत्रिकाओं का सम्पादन

क्र. सं.	प्रकाशित पत्र–पत्रिकाओं का नाम	प्रकाशन वर्ष	प्रकाशक	विशेष विवरण
1.	स्वरमंगला–संस्कृत पत्रिका	1997	राज.सं. अकादमी, जयपुर	सह सम्पादन
2.	सुदर्शनालोक–पत्रिका	2008	फरिदाबाद (हरियाणा)	सह सम्पादन
3.	संस्कृत संजीवनी	2009 से निरन्तर	संस्कृत भाषा परिषद्, जयपुर	प्रबन्ध सम्पादक
4.	रिसर्च इन्फोर्समेंट	2014 से निरन्तर	मानसरोवर, जयपुर	सम्पादन मण्डल ISBN:2348.3857
5.	वैजयन्ती (गांधी चिन्तन विशेषांक)	2018–19 (संयुक्तांक)	रा.म.आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर	सम्पादक ISSN:2454-2032

11. सम्मेलन व संगोष्ठियाँ जिनमें शोधपत्र प्रस्तुत किये :–

क्र. सं.	शोधपत्र का शीर्षक	शोध–संगोष्ठी का समय	संगोष्ठी आयोजक संस्था
1.	कालिदासस्य नाट्य –कौशलम्	17–18 जनवरी 2008	रा.धू.आ.सं.महा. मनोहरपुर
2.	ईश्वरविलासमहाकाव्ये वर्णितः सवाईजयसिंहकृत अश्वमेघ यज्ञ	19–20 जनवरी 2008	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर
3.	पं. मोहनलाल शर्मा पाण्डेयस्य गद्यकाव्ये अलंकारचित्रणम्	5–6 मार्च 2009	संस्कृत भाषा परिषद् ,जयपुर (संगोष्ठी संयोजक)
4.	रामायण कालीन प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं समाज	19–21 दिसम्बर 2009	राजस्थान विश्वविद्यालय,जयपुर
5.	विदुरनीति में राजधर्म	4–6 मार्च 2010	रा.धू.आ.स.महा.मनोहरपुर
6.	बीसवीं सदी के प्रमुख राजस्थानीय संस्कृत महाकाव्य	13–14 मार्च 2010	संस्कृत भाषा परिषद जयपुर(संगोष्ठी संयोजक)
7.	भारतीय संस्कृति के पोषक जगद्गुरु रामानन्दाचार्य	28–30 अक्टूम्बर 2010	राज.सं. साहित्य सम्मेलन जयपुर
8.	संस्कृत संजीवनी पत्रिकायाःवैशिष्ट्यम्	16–17 मार्च 2011	ज.रा.रा.सं.वि.वि.जयपुर
9.	वैदिक दृष्टि में पर्यावरण	17–19 फरवरी 2011	राज.महा.आ.सं.कॉलेज, जयपुर
10.	नाट्यवल्लरी का वैशिष्ट्य	23–24 फरवरी 2011	संस्कृत भाषा परिषद्,जयपुर (संयोजक)
11.	कुमारसम्भव की तपोनिष्ठा पार्वती	28–30 अप्रेल 2011	रा.शा.सं.महा.महापुरा(संगोष्ठी संयोजक)

12.	भगवान गणेश ही प्रथम पूज्य क्यों?	15–16 मार्च 2013	संस्कृत भाषा परिषद्, जयपुर(संयोजक)
13.	भारतीयदर्शनेषु नूतनचिन्तनम्	8 अक्टूम्बर 2011	ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
14.	राजस्थान में संस्कृत की दशा एवं दिशा	29, जुलाई 2012 (कार्यशाला)	वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा, क्षेत्रीय केन्द्र, जयपुर
15.	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पुस्तकालयों की महत्ता	24–25 जनवरी 2017	रा.म. आ.सं.महाविद्यालय, जयपुर
16.	नाट्यशास्त्र में वैदिक यज्ञ का स्वरूप	06 दिसम्बर 2017	ज.रा.रा.सं.वि.वि.जयपुर
17.	प्राचीन नाट्यप्रयोजनों का बदलता स्वरूप	09–11 नवम्बर 2017	रा.म. आ.सं.महाविद्यालय, जयपुर (संगोष्ठी सह संयोजक)
18.	भारतीय संस्कृति के सम्पोषण में संस्कृत लेखको का योगदान	08–09 दिसम्बर 2017	रा.म. आ.सं.महाविद्यालय, जयपुर
19.	श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित योग का स्वरूप एवं वर्तमान में उसका महत्त्व	12–13 जनवरी 2018	रा.म. आ.सं.महाविद्यालय, जयपुर
20.	उच्चशिक्षणसंसथानों के गुणात्मक उन्नयन में केन्द्रीय एवं राज्यस्तरीय शैक्षिकसंसथानों की भूमिका	09 नवम्बर 2019	रा. शास्त्री सं.महाविद्यालय, महापुरा जयपुर

कोविड–19 काल में आयोजित वेबिनार में पत्र–वाचन

क्र. सं.	**पत्रवाचन का शीर्षक**	**राष्ट्रीय वेबीनार**	**संगोष्ठी आयोजक संस्था**
1.	NAAC Assessment in Higher & Sanskrit Education : Prospects and efforts	06 जून, 2020	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
2.	भक्तिकाल और मीराबाई	08 जून, 2020	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
3.	वेदों में विश्वबन्धुत्व की भावना	09 जून, 2020	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
4.	संस्कृत वाङ्मय में सामाजिक समरसता	11 जून, 2020	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
5.	भाषाविज्ञान एवं व्याकरण में परस्पर सम्बन्ध	17 जून, 2020	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
6.	समकालीन साहित्य एवं संस्कृति	18 जून, 2020	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
7.	The Role of ICT in keeping Sanskrit Teaching alive	20 जून, 2020 (अन्तर्राष्ट्रीय)	रा. शास्त्री सं.महाविद्यालय, महापुरा जयपुर

12. कार्यशाला एवं अनुसन्धान (विशेष कार्य कुछ हो तो)

1. **कार्यशाला –** सूचना का अधिकार – 15–17 जुलाई, 2013, ओ.टी.एस., जयपुर
2.

13. ओरियन्टेशन / रेफ्रेशर

1. रेफ्रेशर कोर्स – 11.02.2004 से 02.03.2004 'A' ग्रेड – राज.सं.विश्वविद्यालय, जयपुर
2. रेफ्रेशर कोर्स – 29.08.2007 से 18.09.2007 'A' ग्रेड – ज.रा.राज.सं.विश्वविद्यालय, जयपुर
3. ओरियन्टेशन – 11.07.2011 से 06.08.2011 'A' ग्रेड – राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
4. रेफ्रेशर कोर्स – 04.06.2012 से 23.06.2012 'A' ग्रेड – राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

14. आपके निर्देशन में कराए गए शोधकार्यों का विवरण

क्र. सं.	शोध–छात्र का नाम	शोध–विषय	विशेष
1.	महेन्द्र कुमार मीणा	अमरमंगलनाटकस्य सम्पादनं समीक्षणं च	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) की उपाधि प्राप्त 2012
2.	नरेंन्द्र कुमार जोशी	ऐतिहासिकोपन्यासस्य रसकपूरस्य संस्कृतानुवादस्य सर्वाङ्गीणमध्ययनम्	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) की उपाधि प्राप्त 2013
3.	श्री दीपक राठौड़	शिवसागरत्रिपाठिविरचित– भ्रष्टायनकाव्यस्य शास्त्रीयसमीक्षा	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) की उपाधि प्राप्त 2018
4.	मंजू जाट	राधाचरितमहाकाव्यस्य साहित्यिकं समीक्षणम्	शोधकार्यरत 2019से
5.	कुसुम तिवाडी	नयचन्द्रसूरिणा प्रणीते हम्मीरमहाकाव्ये ध्वनितत्त्वविमर्शः	शोधकार्यरत 2019से
6.	नाथूराम सैनी	श्रीनारायणशास्त्रीकांकरविरचितस्य रचनाभ्युदयमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	शोधकार्यरत 2019से
7.	सुमनलता सैनी	श्रीमद्भागवद्महापुराणे विष्णुस्तोत्राणां साहित्यिकं परिशीलनम्	शोधकार्यरत 2019से

15. प्राप्त सम्मान / पुरस्कार

1. ''श्री गोपुष्टि नवकुण्डात्मक महायज्ञ समिति'' द्वारा **'विद्वत्–सम्मान'** दिनाक 11.08.2004 को प्राप्त।
2. 'हरिशेवा–निम्बार्क–संस्कृत समिति, भीलवाड़ा द्वारा **'राज्यस्तरीय विद्वत्सम्मान'** दिनांक 11.02. 2008 को प्राप्त।
3. श्री भगवत धर्म संस्कृत वेद विद्यालय, अलवर द्वारा **'सम्मान–पत्र'** दिनांक 05.02.2015 को प्राप्त।
4. राज्य सरकार द्वारा वर्ष अगस्त, 2019 में **''राज्यस्तरीय संस्कृत विद्वत्पुरस्कार''** से सम्मानित किया गया। संस्था – संस्कृत शिक्षा विभाग, राजस्थान।
5. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर, दिल्ली द्वारा आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में प्रथम / द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर अनेक पुरस्कार।

6. श्रीरामलीला कमेटी, कोटकासिम(अलवर) राज. द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में बाल्यकाल से लेकर अद्यावधि भरत, शत्रुघन, विभीषण आदि विविध पात्रों का अभिनय–स्वरूप अनेक बार सम्मान एवं पुरस्कार।

7. आयकर विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रशंसा पत्र।

16. विशेष कार्य व योगदान

- आकाशवाणी एवं दूरदर्शन पर वार्ता, संवाद आदि कार्यक्रम प्रसारित।
- विगत छब्बीस वर्षो से निरन्तर शास्त्री/आचार्य कक्षाओं में संस्कृत माध्यम से अध्यापन–कार्य।
- ज.रा.रा.सं.वि.वि. में शोध–निर्देशक के रूप में कार्यरत। वर्तमान में मेरे निर्देशन में एक शोधार्थी कार्यरत तथा तीन शोधार्थियों को विद्यावारिधि(पी–एच. डी.)की उपाधि प्राप्त।
- तीन पुनश्चर्या एवं एक ओरियेन्टेशन पाठ्यक्रमो में भाग लेकर 'ए' श्रेणी प्राप्त।
- संस्कृत के प्रचार– प्रसारार्थ गठित विभिन्न परिषदो, समितियों में कार्यरत एवं अनेक राष्ट्रिय शोध संगोष्ठियों का आयोजन व संचालन।
- रा.शा.सं. महाविद्यालय, महापुरा में कार्यरत रहते हुए विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं हेतु छात्रों को प्रोत्साहित एवं मार्गदर्शन दिया गया, जिसमें अनेक बार छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त किये। साथ ही राज्य स्तर पर संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता में इस संस्था के छात्रों द्वारा संस्कृत नाटक का अभिनय मेरे निर्देशन में कराया गया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी महाविद्यालय में U.G.C. के अनुदान से त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एवं पुस्तक प्रकाशन।
- रा.शा.सं. महाविद्यालय, महापुरा में व्याख्याता (साहित्य) के साथ ही यू.जी.सी. प्रभारी, महाविद्यालय विकास कोष समिति का सचिव, परीक्षा–प्रभारी एवं केन्द्राध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहते हुए मेरे द्वारा इस महाविद्यालय में सांसद एवं विधायक कोष से लगभग 15 लाख रुपयों से निर्माण कार्य एवं यू.जी.सी. से प्राप्त लगभग 10 लाख रुपये की राशि से कम्प्यूटर, फोटोस्टेट, इनवेटर आदि उपकरण एवं पुस्तकों का क्रय किया गया है।
- सन् 2007 से गठित 'संस्कृत भाषा परिषद्, जयपुर' के महासचिव के रूप में निरन्तर अद्यावधि कार्यरत रहते हुए अनेक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों, संस्कृत कार्यक्रमों, मेधावी छात्रों को पुरस्कार, परिषद् की पत्रिका 'संस्कृत–संजीवनी' के प्रकाशन आदि का कार्य किया जा रहा है।
- 28 फरवरी 2014 से 22अक्टूबर 2016 तक राज.शा. संस्कृत महाविद्यालय, महापुरा में अपने शैक्षणिक कार्य के अतिरिक्त प्राचार्य पद का कार्य भी निरन्तर किया गया। इस अवधि में महाविद्यालय में स्वच्छता, भौतिक संसाधन, विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन,न्ण्ळण्ब्ण्के तहत 'IQAC' को गठन, संस्था की वेबसाइड, पुस्तकालय को आनलाइन, रूसा के तहत दो करोड़ की अनुदान राशी का प्रस्ताव, संस्था में सी.सी.टी.वी. कैमरे तथा संस्था को नैक से मान्यता दिलाने हेतु आवश्यक संसाधन एवं तैयारी सम्बन्धी कार्य किये गये, जिसके फलस्वरूप संस्था को नेक से भठ ग्रेड प्राप्त हुई। 22.10.2016 से अद्यावधि राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर में वरिष्ठ व्याख्याता एवं विभागाध्यक्ष साहित्य के पद पर कार्यरत पहते हुये संस्था में संचालित विभिन्न गतिविधियों, समितियों में सक्रियता के साथ ही महाविद्यालय की शोध–पत्रिका 'वैजयन्ती' के सम्पादन मण्डल में कार्यरत। इनके अतिरिक्त संस्था में साहित्य विभाग द्वारा

आयोजित संगोष्ठियों में सहभागिता। अतिरिक्त कार्यभार के रूप में निदेशालय, संस्कृत शिक्षा विभाग में OIC (प्रभारी अधिकारी न्यायिक प्रकरण) के रूप में भी कार्यरत।